

ख़बर संक्षेप

जिला न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन



मण्डला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला द्वारा 12 सितंबर 2026 को प्रातः 10:30 बजे से जिला न्यायालय परिसर मंडला में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य आपसी सहमति एवं समझौते के माध्यम से प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है। देशभर में राष्ट्रीय लोक अदालतें लंबित एवं प्री-लिटिगेशन मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान का माध्यम रही हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला द्वारा किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से पक्षकार आपसी सहमति से अपने प्रकरणों का निराकरण करा सकते हैं। लोक अदालत में समझौते योग्य लंबित प्रकरणों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन मामलों को भी समाधान के लिए प्रस्तुत किया जा सकता है।

नैनपुर में आज आयोजित होगा मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर

मण्डला। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत जिले में प्रत्येक शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शुक्रवार 11 सितंबर को नैनपुर में शिविर आयोजित किया जायेगा। शिविर के लिए अनुविभागीय अधिकारी नैनपुर एवं जनपद पंचायत नैनपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। अभियान के तहत मैदानी भ्रमण, जनसंवाद और शिविरों के माध्यम से आमजन की शिकायतों का त्वरित निराकरण, लंबित प्रकरणों की समीक्षा तथा शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य प्रशासन को जनता के बीच पहुंचाकर समस्याओं का समाधान करना और शासन की सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाना है। अधिकारियों द्वारा क्षेत्र का भ्रमण किया जायेगा, साथ ही विभागीय समीक्षा तथा जिला स्तरीय समाधान भी आयोजित होगा।

संस्कृति	बजरंग व्यायाम शाला द्वारा निकाला गया शानदार गैंगी जुलूस।
----------	--

मंडला की ऐतिहासिक पोला पिठौरा परंपरा



*** गैंगी पर करतब दिखाते बच्चों को देखकर मंत्रमुग्ध हुये नगरवासी।**

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

बदलते समय के साथ-साथ अब तीज त्यौहारों की भी परम्परा में व्यापक रूप से बदलाव आ गया है एक समय था जब श्रावण एवं भादों के मास में विभिन्न तरह के त्यौहार मनाये जाते थे और उनकी अलग-अलग संस्कृति हुआ करती थी

प्राथमिक शाला छोटी खैरी एवं शासकीय नवीन शाला कटरा को भेंट की 27 डेस्क-बेंच

शासकीय स्कूलों पर दया दिखा रहे निजी स्कूल

*** बच्चों को दिये वालीबॉल, फुटबॉल एवं स्टेशनरी सामग्री।**

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

केन्द्र एवं राज्य की सरकारें शिक्षा के स्तर को बढ़ाने न केवल प्रयासरत हैं बल्कि पिछले कुछ वर्षों में व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है शिक्षा के क्षेत्र में आवंटन की कहीं कोई कमी नहीं है शासकीय स्कूलों में मुफ्त शिक्षा दी जा रही है इसके साथ-साथ बच्चों को मध्याह्न भोजन, गणवेश, पुस्तकें, छात्रवृत्ति तथा छात्रावासों में शानदार सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं कहीं कुछ कमी है तो वह स्थानीय व्यवस्था में है जहां विभाग के अधिकारी, कर्मचारी अपने दायित्वों को अनदेखा कर बच्चों के हक पर न केवल डांका डाल रहे हैं बल्कि मिलने वाली सुविधाओं से भी खिलवाड़ कर रहे हैं और इसका फायदा वे मिशनरी के विद्यालय उठा रहे हैं जो न केवल इनके यहां पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों को लुट रहे हैं बल्कि राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों की मदद भी पा रहे हैं। ऐसे ही शहर के एक मिशनरी स्कूल के विद्यार्थियों ने नगर के शासकीय स्कूलों का दौरा किया और वहां की व्यवस्था देखकर उनका मन द्रवित हो गया है और उन बच्चों ने शासकीय स्कूल के बच्चों के लिये सुविधायें उपलब्ध कराईं।

मोंटफोर्ट स्कूल के शाला नायक अथर्व सोनी, दिशा तलरंज



अन्य लीडर्स, शिक्षक, कॉर्डिनेटर एवंजलीन कुशराम ने कुछ शासकीय विद्यालयों का दौरा कर वहां की शैक्षणिक एवं भौतिक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि कई बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ाई

करने को मजबूर हैं। यह दृश्य विद्यार्थियों को भीतर तक प्रभावित कर गया। उन्होंने महसूस किया कि इन बच्चों के लिए भी बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। विद्यार्थियों की इसी सोच को विद्यालय के प्राचार्य ब्रदर विनु

चेरियन के मार्गदर्शन में सेवा कार्य का रूप दिया गया। मोंटफोर्ट स्कूल के विद्यार्थियों ने प्राथमिक शाला छोटी खैरी में 16 तथा शासकीय नवीन शाला कटरा में 11 डेस्क-बेंच, कुल 27 डेस्क-बेंच दान किए। डेस्क-बेंच के साथ विद्यालयों को फुटबॉल एवं वालीबॉल भी प्रदान किए गए। वहीं छोटे बच्चों के लिए पेन, पेंसिल सहित विभिन्न स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई।

निजी स्कूल के बच्चों की यह दरियादिली निश्चित रूप से काबिले तारीफ है लेकिन मोंटफोर्ट स्कूल ने यह नहीं बताया कि ये सामग्री बच्चों ने अपने घरों से दी या फिर विद्यालय प्रबंधन के द्वारा ये सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस पूरे समाचार को यदि दूसरे

नजरिये से देखा जाये तो जिले की प्राथमिक शालायें दीन-हीन परिस्थिति में संचालित हो रही हैं और निजी शालायें उन पर दया दिखाकर उन्हें सुविधायें प्रदान कर रही हैं। जबकि देखा जाये तो इन प्राथमिक शालाओं में सरकार द्वारा प्रतिमाह लाखों रुपये खर्च किये जा रहे हैं इन शालाओं में पढ़ाने वाले शिक्षकों को लाखों रुपये वेतन और विभिन्न सुविधायें बच्चों को सरकार दे रही है लेकिन कुछ हजार रूपये की सामग्री देकर मिशनरी के ये विद्यालय शासन-प्रशासन का मजाक उड़ा रहे हैं। प्राथमिक शालाओं के तैरै की अनुमति निजी स्कूल के विद्यार्थियों को किसके आदेश से दी गई क्या ऐसी ही सुविधा शासकीय स्कूल के बच्चों को भी मिलेगी कि वे भी जाकर निजी स्कूलों की व्यवस्थायें देख सकें और वहां जो अनदेखी हो रही है उसे सार्वजनिक कर सकें।

मोंटफोर्ट स्कूल के विद्यार्थियों ने जरूरतमंद बच्चों को बांटी डेस्क-बेंच और खेल सामग्री.....

शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों की मदद और समाज के प्रति संवेदनशीलता का भाव पैदा करना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इसी भावना का अनुकरणीय उदाहरण मोंटफोर्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया।मोंटफोर्ट स्कूल के शाला नायक अथर्व सोनी, दिशा तलरंज और अन्य लीडर्स, शिक्षक, कॉर्डिनेटर एवंजलीन कुशराम ने कुछ शासकीय विद्यालयों का दौरा कर वहां की शैक्षणिक एवं भौतिक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि कई बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। यह दृश्य विद्यार्थियों को भीतर तक प्रभावित कर गया। उन्होंने महसूस किया कि इन बच्चों के लिए भी बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। विद्यार्थियों की इसी सोच को विद्यालय के प्राचार्य ब्रदर विनु चेरियन के मार्गदर्शन में सेवा कार्य का रूप दिया गया। मोंटफोर्ट स्कूल के विद्यार्थियों ने प्राथमिक शाला छोटी खैरी में 16 तथा शासकीय नवीन शाला कटरा में 11 डेस्क-बेंच, कुल 27 डेस्क-बेंच दान किए। डेस्क-बेंच के साथ विद्यालयों को फुटबॉल एवं वालीबॉल भी प्रदान किए गए। वहीं छोटे बच्चों के लिए पेन, पेंसिल सहित विभिन्न स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। इस पहल से जहां बच्चों को जमीन पर बैठकर पढ़ने की परेशानी से राहत मिलेगी, वहीं खेल सामग्री से उनमें खेल के प्रति रुचि भी बढ़ेगी। कार्यक्रम में मोंटफोर्ट स्कूल के प्राचार्य ब्रदर विनु चेरियन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंद बच्चों की आवश्यकताओं को समझकर उनके लिए सहयोग करना वास्तव में शिक्षा के साथ संस्कारों का परिचय है। मोंटफोर्ट स्कूल के विद्यार्थियों की इस पहल ने यह संदेश दिया कि यदि युवा मन किसी समस्या को केवल देखकर आगे बढ़ने के बजाय उसे दूर करने का संकल्प ले, तो समाज में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत की जा सकती है। विद्यार्थियों का यह प्रयास शिक्षा, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व के सुंदर समन्वय का उदाहरण बन गया।

मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु किया गया छिड़काव

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला | मुआबिछिया

बारिश के मौसम में अत्यधिक वर्षा के कारण जलभराव और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए नगर परिषद भुआ-बिछिया द्वारा मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए समय रहते व्यापक अभियान शुरू किया गया है। परिषद द्वारा नगर क्षेत्र के सभी वाडों में साफ-सफाई व्यवस्था के साथ मच्छरों की रोकथाम के लिए आवश्यक केमिकल एवं पाउडर का छिड़काव कराया जा रहा है।

अभियान के तहत नालियों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई के साथ ऐसे स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां बारिश का पानी जमा होने की संभावना रहती है। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के



उद्देश्य से संबंधित क्षेत्रों में आवश्यक दवाओं का छिड़काव भी किया जा रहा है। इसके साथ ही नगर परिषद के कचरा संग्रहण वाहनों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। लोगों से अपील की जा रही है कि वे

अपने घरों के आसपास बारिश का पानी जमा न होने दें तथा गमलों, पुराने टायर, डिब्बों और अन्य पात्रों में पानी ठहरने से रोकें।

नगर परिषद का यह अभियान बारिश के दौरान डेंगू, मलेरिया सहित अन्य मच्छरजनित बीमारियों की संभावित रोकथाम

की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। वहीं, नगर परिषद ने नागरिकों से भी अपील की है कि स्वच्छता बनाए रखने और जलभराव रोकने में परिषद का सहयोग करें, ताकि सामूहिक प्रयासों से मच्छरजनित रोगों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

समय पर ऋण चुकाने वाले किसानों को नहीं देना होगा ब्याज, शून्य प्रतिशत ब्याज योजना का मिलेगा लाभ



*** कलेक्टर की अध्यक्षता में सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित।**

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, मंडला की प्रशासक समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सहकारिता विभाग से संबंधित विभिन्न विषयों की समीक्षा करते हुए किसानों को शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रशासक समिति,

जिला सहकारी बैंक समिति, अमानतों की स्थिति, कवच योजना सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने सहकारी संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में शासन की शून्य प्रतिशत ब्याज दर योजना के अंतर्गत कृषकों को अल्पकालीन फसल ऋण उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई। योजना के तहत कृषकों को ऋण वितरण की तिथि से 12 माह की अवधि में ऋण चुकाने की सुविधा रहेगी। साथ ही कृषक अब खरीफ एवं रबी दोनों सीजन का फसल ऋण एक साथ प्राप्त कर सकते हैं। निर्धारित

अवधि में ऋण का पुनर्भुगतान करने पर कृषक शासन की 0 प्रतिशत ब्याज दर योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

कलेक्टर श्री धोटे ने निर्देश दिए कि पात्र किसानों को फसल ऋण समय पर उपलब्ध कराया जाए तथा शून्य प्रतिशत ब्याज योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि बैंक एवं सहकारी संस्थाओं के माध्यम से योजना की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जाए, ताकि पात्र कृषक समय पर ऋण प्राप्त कर कृषि कार्यों के लिए आवश्यक खाद, बीज एवं अन्य आदानों की व्यवस्था कर सकें।

औद्योगिक निवेश बढ़ाने निवेशकों से सतत संपर्क करें-कलेक्टर

*** जिला लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड बैठक आयोजित।**

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में जिला लघु उद्योग संवर्धन की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, नवीन औद्योगिक क्षेत्रों के विकास तथा निवेश की संभावनाओं के विस्तार पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में मोहनिया पटपरा को नवीन औद्योगिक क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल 27.02 हेक्टेयर है। क्षेत्र में निवेश के लिए अब तक 35 निवेशकों की ओर से निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। कलेक्टर श्री धोटे ने संबंधित अधिकारियों को निवेशकों से सतत संपर्क बनाए रखते हुए अधिकाधिक निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में उद्योगों के विस्तार का प्रमुख



उद्देश्य स्थानीय स्तर पर रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित करना होना चाहिए, ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार प्राप्त हो सके और जिले की अर्थव्यवस्था को गति मिले। बैठक में जिले में उद्योगों की संभावनाओं के विस्तार पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने स्थानीय संसाधनों और उपलब्ध संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए नए उद्योगों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से बिछिया क्षेत्र में वन आधारित उद्योगों के विस्तार की संभावनाओं पर कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध वन उपज का बेहतर मूल्य संवर्धन हो सके तथा रोजगार के अवसर बढ़ें। बैठक के दौरान ईडी, एमपीआईडीसी अनिल ठाकुर, एलडीएम सुर्जय कुमार, सहायक प्रबंधक डीआईसी बलराम यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं उद्योगपति उपस्थित थे।

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बिछिया बी-पेवस बिछिया		
वार्षिक आम सभा वर्ष 2026	सूचना	दिनांक :-10/09/2026
सम्मानীয় कृषक बंधु		
बड़े हर्ष के साथ आप सभी को सूचित एवं आमंत्रित किया जाता है कि सहकारी समिति में सहकारिता अधिनियम 1960 के अनुसार इस वर्ष भी समिति बिछिया की वार्षिक आम सभा दिनांक 25/09/26 दिन शुक्रवार को समय दोपहर 1 बजे से समिति प्रांगण में आयोजित की गई है।		
अतः आप सभी को उपस्थिति प्रार्थनीय है,		
स्थान :- सोसाईटी बिछिया		
प्रदीप, लोच सहयक अध्यक्ष श्री पेवस बिछिया		

खबर संक्षेप

कुत्तों की फ़ौज बन रही आमजन के लिये परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। इन दिनों देखा जा रहा है कि शहर में अधिकतर आवारा कुत्तें खुजली बीमारी की चपेट में जान पड़ रहे हैं, इससे गली चौराहों से आने जाने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ रही है। वही दूसरी ओर इन बीमार कुत्तों से अन्य कुत्तें तो चपेट में आ ही रहे है बल्कि इंसानों में भी यह बीमारी फैलने की आशंका है? यूं फैलती है बीमारी-आवार कुत्तों को अमूमन खुजली की बीमारी फंगस, फफूंद तथा पैरासाइट की वजह से होती है। वही पालतू कुत्तों की समय समय पर सफाई होने से इनमें बीमारी कम पाई जाती है। लेकिन आवारा कुत्तों में सफाई के अभाव में बीमारी ज्यादा होती है जो बातावरण में फैलाता प्रदूषण भी मुख्य कारण है, प्रदूषित पानी पीने या प्रदूषित धूल कण में लेटने से भी खुजली की बीमारी की समस्या पैदा हो रही है। इंसानों को भी खतरा-पशु चिकित्सकों के अनुसार खुजली से पीड़ित कुत्तें बीमारी से परेशान होकर इधर उधर तेजी से घूमते है, जिससे पास से निकलने वाले लोगों को भी इनके कोटाणु फैलते है, बच्चों को अधिक सावधानी रखनी चाहिए क्योंकि बच्चों में नामसम्मी की वजह से बच्चों के इनके तत्सर्कों में आने या छू लेने से उन्हें भी बीमारी लगने का ख़ूबवाना रहती है। मुहिम चालाई जाए- क्षेत्र में घूमते आवारो कुत्तों में खुजली रोग ज्यादा फैल रहा है, गलियों तथा सड़कों पर घूमते खुजैरिया कुत्तों से बच्चों को बचाने की चिंता अभिभावकों को सताने लगी है, शहर के आवारा कुत्तों में तेजी से यह बीमारी फैल रही है, नगरपालिका को पशु चिकित्सालय की सहायता से ऐसे कुत्तों का उपचार करवाकर इन्हें शहर से दूर जंगल में छोड़ा जैसी पहल चलाना चाहिए।

अतिक्रमण की सच्चाई को छुपाते हुये पटवारियों द्वारा दिया जा रहा है अतिक्रमणकारियों को संरक्षण...?

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि इस समय अतिक्रमण की भेंट चढ़ते हुये स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां लोगों को अंतिम संस्कार करने के लिये जगह उपलब्ध नहीं हो पा रही है। वहीं दूसरी ओर अतिक्रमणकारी उसें शासकीय भूमि पर फसल पैदा करते हुये हर लाखों रूपया कमाने से नहीं चूक पा रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते कुछ वर्ष पहले समीपस्थ सालीचौका के पौड़ार के पास उस समय देखने मिल चुकी है जहां पर शासन के रिकार्ड के अनुसार तो काफी मात्रा में शासकीय भूमि पड़ी हुई है। मगर जब ग्राम के लोगों को एक वृद्ध महिला के शव का अंतिम संस्कार करने के लिये जगह नहीं मिल पाई थी तो उन्हें मजबूर बस चकाजाम जैसा कदम उठाने के लिये मजबूर होना पड़ा था? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई चीचली क्षेत्र के अंतर्गत भी देखी जा रही है जहां पर अनेक गांवों में शासन की रिकार्ड में तो कई एकड़ शासकीय भूमि बंजर के रूप में पड़ी हुई है। मगर यदि मौके पर जाकर देखा जावे तो वहां पर लोगों की फसल लहलहाते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रही है? इसी बात को ध्यान में रखते हुये कुछ वर्ष पहले तत्कालीन जिला कलेक्टर द्वारा जिले के समस्त पटवारियों को अपने अपने हल्का क्षेत्रों में शासकीय भूमि व उस पर हुये अतिक्रमण की रिपोर्ट पेश करने का आदेश जारी किये गये थे। मगर अधिकारियों द्वारा दिये गये इस आदेश को लेकर जिस प्रकार से पटवारियों द्वारा सच्चाई के विपरित रिपोर्ट तैयार करते हुये पेश करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और अतिक्रमणकारियों से लक्ष्मी स्वरूप आर्शावाद प्राप्त किये जाने का परिणाम है कि उस सच्चाई पर यदि गौर किया जावे तो अनेक जगहों पर आज भी अतिक्रमणकारियों के कब्जे में होने के साथ उस पर द्यूबेल दिखाई देने से नही चूक पा रही है और पटवारियों द्वारा सच्चाई को छिपाते हुये अधिकारियों को गुमराह करते हुये उस भूमि को अतिक्रमण से मुक्त बताने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। इस तरह पटवारियों की भूमिका अतिक्रमणकारियों को शह देने की मुद्रा में दिखाई देने से नही चूक पा रही है..?

चीचली मार्ग रेलवे ओवर ब्रिज के पास फैल रहे अतिक्रमण की अनदेखी के चलते यहां पर बन रहा है गैर कानूनी कृत्यों का केन्द्र, रात की बात तो दूर दिन के समय निकलने में दहशत महसूस कर रहे आमजन...



हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। नगर में शासकीय भूमि से लेकर मुख्य सड़को के किनारे फैले हुये अतिक्रमण की सच्चाई किसी से छिपी नहीं है और इसी का परिणाम है कि नगर की यातायात व्यवस्था पटरी से उतरी हुई देखी जा रही है तो दूसरी ओर आये दिन घटित होने वाली दुर्घटनाओं में अतिक्रमण का कारण प्रमुख रूप से सामने आने से नहीं चूकता है..? वहीं दूसरी ओर समय समय पर प्रशासन की टीम द्वारा नगर में अतिक्रमण हटाने की मुहिम तो छेड़ी जाती है। मगर वह मात्र औपचारिकता पूर्ण साबित होने से नहीं चूक पाते है। इस तरह शासकीय भूमि पर होने वाली अतिक्रमण की सच्चाई को प्रशासन के जिम्मेदारों द्वारा जिस तरह से नजर अंदाज किया जाता है उसका ही परिणाम है कि अतिक्रमण कारियों के हौसले बुलंद होने से नहीं चूक पाते है। नगर में सरकारी भूमि पर नियम विरुद्ध फैले हुये अतिक्रमण की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो नगर के मुख्य मार्ग स्टेशन से पलोटन गंज की ओर आता है बीटीआई स्कूल के समीप कुछ साल पहले तत्कालीन एसडीएम राजेश शह द्वारा विद्युत कार्यालय के सामने अतिक्रमण हटवाया गया था। मगर यहां पर खाली हुई सरकारी भूमि को प्रशासन द्वारा सुरक्षित नहीं किये जाने का परिणाम है कि एक एक करके यहां पर अतिक्रमण के रूप में ठेले जमत गये और वह पक्के दिखाई देने लगे है। कुछ इसी प्रकार का हाल शहर के सरकारी अस्पताल के पास का देखा जा रहा है। जहां

आज पोला पर्व होने के चलते बाजार में सजी काट के घोड़ा व मिट्टी के बैलों की हुई बिक्री



हरिभूमि न्यूज/ गाइरवारा। बच्चों का प्रिय माने जाने वाला पोला पर्व आज 11 फ़रवबर शुक्रवार को पोला पिठौरा के रूप में मनाया जावेगा, जिसके चलते घरों में महिलाओं द्वारा खुसमा बत्तियों बजाने के साथ मान्यता के अनुसार काट के

घोड़ों के पूजन की तैयारियां पहले से ही कर ली गईं। वहीं दूसरी ओर पोला पर्व आने के पूर्व शहर के बाजार क्षेत्र, झंडाचौक में विभिन्न आकार प्रकार के काट के घोड़ी, रंग बिरंगी गोहंरियो की दुकानें सजी नजर आ रही है और झंडाचौक पर बच्चों के क्षतिग्रस्त हो गए काट के घोड़ी की मरम्मत का काम करने वालो ने भी डेरा जमा लिया है, जिसके चलते काट के घोड़ों की दुकानों पर बड़ी संख्या में शहर के नन्हें मुन्ने बच्चे पहुँच अपनी पसंद का काट का घोड़ा खरीद पोला पर्व मनाने के अपने उत्साह का प्रदर्शन करते हुये देखे जा रहे हैं। इस दौरान खास बात यह है इस वर्ष काष्ट शिल्पियो ने झंडाचौक पर आधुनिक डिजाईन के काट के घोड़ी की रंज सजा बच्चों की पोला का त्यौहार मनाने की खुशी दोगुनी कर दी है। झंडाचौक पर काट के घोड़ों की दुकानें लगने बालो का कहना है कि वर्तमान में साँगौन ल लकड़ी की कमी के चलते काट के घोड़े 200 से लेकर 375 रु तक बिक रहे है। इसके अलावा सतकटा की लकड़ी से निर्मित ट्राली वाले ट्रैक्टर तथा लकड़ी की पोला पर्व पर लगने वाली सामग्री काफी कम कीमत पर बेची जा रही है। इस प्रकार से पोला पर्व के चलते नगर का प्रमुख स्थल माने जाने वाले झंडाचौका पर जिस प्रकार से दुकानें सजकर तैयार हुईं तो वहां पर बच्चों की भीड़ उमड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ रही थी। वहीं आज रात के समय लोगों ने अपनी पुरानी परंपराओं के अनुसार घरों में पोला के पर्व की बडे ही विधि विधान के साथ पूजन की जावेगी।



पर दो माह पहले बडे स्तर पर अतिक्रमण हटाते हुये खाली हुई जमीन को सुरक्षित नहीं किये जाने का परिणाम है कि हटया गया अतिक्रमण जहां के तहां नजर आने से नही चूक रहा है। वहीं नगर की पानी टंकी के पास भी अतिक्रमण में हजाफा होने से नही चूक रहा है। अतिक्रमण कारियों ने अपने टपरे स्थापित करते हुये पूर्व की तरह अपने कब्जे में करते हुये सूरत बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। क्योंकि अधिकारियों द्वारा समय पर शासकीय भूमि की सुरक्षा को नजर अंदाज किये जाने इन अतिक्रमणकारियों के हौसले सातवे आसमान पर पहुंचने से नही चूक पाते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के गाइरवारा से चीचली की ओर जाने वाले मार्ग रेल्वे गेट के पास दिखाई देना शुरू हो गया है। यहां पर आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुये शासन द्वारा करोड़ों की राशि से ओबर ब्रिज का निर्माण कराया गया है। वैसे भी देखा जावे तो यह ओबर ब्रिज अपनी गुणवत्ता को लेकर लगातार अखबारों की सुर्खियों में छाने के साथ चर्चा का विषय बन चुका है..? क्योंकि इस ओबर ब्रिज का अभी तक अधिकृत रूप से लोकार्पण भी नहीं हुआ है। मगर ब्रिज से आवाजाही होते हुये जिस तरह चंद दिनों में उसकी गुणवत्ता उभरकर सामने आते हुये देखी जा रही है। इस बात पर क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह द्वारा चिंता व्यक्त करते हुये संबंधित विभाग को पत्र जारी करते हुये

बेलगाम डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौके पर मौत, आक्रोशित लोगों ने देर रात तक किया



हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। क्षेत्र की सड़को पर बेलगाम गति से दौड़ने वाले हाईवा डम्फ़रों की गति पर अंकुश लगाने के लिये जिला कलेक्टर द्वारा कुछ माह पहले जिस तरह से आदेश जारी किया गया था उससे निश्चित तौर घटनाओं में कमी देखने मिली थी। मगर डम्फर मालिको सहित कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा जिला कलेक्टर के आदेश पर आपत्ति जताये जाने का परिणाम है फ़ कि जिला कलेक्टर द्वारा दिया गया आदेश

सुस्त करना पड़ा था। इसी का परिणाम है कि अब क्षेत्र की सड़को पर डम्फर चालको की मनमानी के नजारे फिर दिखाई देने लगी है। इस बात की सच्चाई बीते हुये बुधवार की देर शाम गाइरवारा से कामती की ओर जाने वाले मार्ग पर उस समय देखने मिली जब एक बेलगाम गति से दौड़ रहे डम्फर ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया गया जिसके चलते युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि नगर के माता वार्ड निवासी



मयंक उर्फ मंकू पिता मनोहर जाटव उम्र लगभग 20 साल अपने किसी काम से कही जा रहा था। इसी दौरान नगर के आमगांव तिरहा के आगे महेन्द्रा शोरूप के सामने तेज गति से भागते हुये जा रहे एक डम्फर क्रमांक MP 15- ZC- 4215 ने युवक को कुचल दिया गया। घटना इतनी भयानक थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस तरह देर रात घटित हुई इस घटना की जब नगर में खबर फैली तो लोगों में आक्रोश फैलने से नही चूक पाया था। वही मृतक के

परिजनों सहित अन्य लोगों ने आक्रोशित होकर मौके पर चकाजाम कर दिया गया जिसके चलते दोनों ओर वाहनों की लम्बी लाईनें लगी हुई देखी गई। इस तरह रात लगभग 1 बजे तक चले इस चकाजाम के दौरान मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों द्वारा जब मृतक के परिजनों को कार्यवाही का पूरा भरोसा दिलाया जब कही उनका आक्रोश शांत हुआ। वहीं पुलिस द्वारा मृतक के शव का पंचनामा बनाते हुये मार्ग कायम कर मामले को जांच में लिया गया है।

शासन प्रशासन की उदासीनता के चलते गांवों में स्थिति पांरपारिक जल स्रोतों का अतिक्रमण की भेंट चढ़ने से मिट रहा नामोनिशान?



हरिभूमि न्यूज/साईखेड़ा। इसे माॅ नर्मदा की कृपा का फल ही माना जाए कि शहर एवं क्षेत्र के गांवों में वर्ष भर लोगों को भरपूर पानी नसीब होता रहता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो गांवों में भी नल जल योजना के तहत बनों पानी की टैंकियों के निर्माण होने से ग्रामो के निवासियों को कम ही पानी के लिए हायतौबा मचाने विवश होना पड़ता है।

लेकिन जिस तरह विवाह के बाद दूल्हे की मौर नदी में विसर्जित कर उसे भुला दिया जाता है। उसी तरह इस समय देखा जा रहा है कि लगाता है शासन-प्रशासन के साथ क्षेत्रवासियों ने उन प्राचीन कुओं, तालाब व बाबाइयों की सुध बिसराना शुरू कर दिया गया है। जिनके जरिए वर्षों पूर्व प्यासे हजारो कंठ तृप्त होते रहे है।

ज्ञातव्य है कि नगर ही नही क्षेत्र के कई गांवों में परम्परागत जल स्रोतो की उपेक्षा होने से उनका नामो निशान लगातार मिटता चला जा रहा है? हकीकत यह है कि जनपद पंचायत साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में अनेक जगहों पर कई एकड़ भूमि के तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ने के कारण एक तलेया के रूप में दिखाई देने लगे है। वहीं दूसरी कुछ इसी प्रकार का हाल गांव के वर्षों पुराने कुंआ का देखने मिल रहा है जिस पर लोगों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण करते हुये उसके ऊपर लकड़ी रखते हुये गंदगी फैलाई जा रही है या फिर मवेशियों को बांधते हुये उसकी सुन्दरता को ग्रहण लगाने से भी नही चूक पा रहे है, जिसके चलते इस प्रकार से वर्षों पुराने पू्यनीय माने जाने वाले यह

परम्परागत स्रोत अपने आसितत्व को बचाने के लिये खुदे ही जुझते हुये देखे जा रहे है? उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के अनुभवी बुजुर्ग अभी भी चाहते है कि कुंआ व तालाब सलामत रहे मगर विडम्बना की बात है कि प्रशासन के साथ साथ स्वयं सेवी संस्थाएं पारंपारिक जल स्रोतों की सुरक्षा के मामले में उदासीन बनी हुई है? इस संबंध में हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए क्षेत्र के युवाओं का कहना है कि पर्याप्त पानी मिलने के दौरे में यह बात चिंता जनक है कि पारंपारिक जल स्रोतो की तर्फ ध्यान न दिया जा रहा है, यदि वर्तमान में देखा जावे तो जरूरत इस बात की है कि इन परम्परागत जल स्रोतो को चिन्हित कर इनकी दशा में बदलाव लाने की पहल करना अति जरूरी हो गया है। क्योंकि इस

प्रकार से पारंपारिक जल स्रोत के अनदेखी करना पूर्णरूप से अनुचित है? मगर जिस प्रकार से शासन प्रशासन से लेकर क्षेत्र के लोगों द्वारा इन पुराने जल स्रोत की अनदेखी कर रहे है, वहीं लोगों द्वारा अन्य जल स्रोतों को प्रदूषित करने से भी नही चूक रहे है, इस बात की सच्चाई इस समय ग्राम के कुआ में देखने मिल रही है इस वर्षों पुराने के में आज भी पानी है मगर उसकी ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने के कारण वह पानी गंदा हो चुका है, यदि इस कुंआ में सुधार किया जावे तो यह क्षेत्र की धरोहर माने जाने वाले परम्परागत जल स्रोतों की फिर से सूरत बदली जा सकती है और वह आमजन के लिये उपयोगी साबित हो सकते है।



विकास की बात जोहते हुए क्षेत्र के अनेक गांवों में बारिश के दौरान पहुंचना हो जाता है मुश्किल

हरिभूमि न्यूज/गोटीटीरिया। भाले ही केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा हर वर्ष करोड़ी रूपया खर्च करते हुए देश से लेकर प्रदेश व शहरों से लेकर गांवों का विकास कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है और आये दिन नेताओं को भी क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने की बात कहते हुए सुना जाता है, मगर इसके बाद जब विकास की सच्चाई पर गौर किया जाता है तो संपूर्ण सच्चाई अपने आप ही उजागर होने से नही चूक पाते है, जब ग्रामीणों को कीचड़ के बीच से गुजरकर अपने घरों को जाने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों की देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि चीचली से चंद कदम दूरी पर स्थित इस प्रकार को पहुंचने के लिए आज भी पक्की सड़क का अभाव होने के कारण जरा सी बारिश के चलते लोगों को अपने गांवों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। क्योंकि क्षेत्र के अनेक गांवों के मार्गों की इस समय जिस प्रकार की स्थिति देखी जा रही है कि उस पर वाहन चलना तो दूर की बात पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। इस प्रकार से इन मार्गों पर मची हुई कीचड़ क्षेत्र के विकास की सच्चाई का आईना बताने से नही चूक रही है? वहीं दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जहां सरकार द्वारा आम लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है जिसमें किसी भी विषम परिस्थति में मरीजो के लिए पाने से लाने के लिए शासन की 108 सेवा वही सुरक्षा के लिए पुलिस की 100 सेवा जो जरूरत पड़ने में 10 मिनट के अंदर गांव पहुंचने की बात कही जाती है अब इस प्रकार से कीचड़ युक्त मार्गों के मध्यम से क्या ग्रामीणों को शासन द्वारा चलाई जा रही इन सेवाओं का लाभ मिल पायेगा? इतना ही नहीं अनेकोबार देखा जाता है कि जब इस प्रकार के गांवों में कोई व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार पड़ जाता है तो उसे शहर तक लाना भी मुश्किल हो जाता है? क्या इसी को विकास कहते है?

आम सभा की सूचना

संस्था के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि बी पेंक्स संस्थाओं की वार्षिक साधारण सभा निम्नानुसार संस्था कार्यालय में आयोजित की गई है ।

क्र.	समिति का नाम	आमसभा की दिनांक	समय
1.	अमाड़ा	27/09/2026	सुबह 10 बजे
2.	बाबाई कला	27/09/2026	दोपहर 1 बजे
3.	पचामा	28/09/2026	सुबह 10 बजे
4.	बसुरिया	28/09/2026	दोपहर 1:30 बजे
5.	इमालिया	28/09/2026	दोपहर 4 बजे

समस्त समिति प्रबंधक शाखा सालीचोका

खबर संक्षेप

एनएच-45 के पुल का संयुक्त टीम ने किया निरीक्षण, आवागमन वन-वे

डिंडोरी। अमरकंटक-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-45 पर ग्राम बड़गांव के समीप स्थित पुल की स्थिति को लेकर राजस्व, पुलिस एवं भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देश पर किए गए निरीक्षण में पुल की वर्तमान स्थिति का जायजा लेते हुए वाहन चालकों एवं यात्रियों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान पुल के एक ओर का बेस क्षतिग्रस्त पाया गया। स्थिति को देखते हुए पुल से वाहनों के सुरक्षित आवागमन के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए गए। प्रभावित हिस्से पर स्टॉप लगाकर यातायात को वन-वे कर दिया गया है। वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करते हुए सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। संयुक्त टीम द्वारा मौके पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। स्थिति के अनुसार आगे आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने वाहन चालकों एवं आमजन से अपील की है कि पुल पर लगाए गए सुरक्षा संकेतों और यातायात व्यवस्था का पालन करें तथा सावधानीपूर्वक आवागमन करें।

सेवा-संकल्प के साथ भाजपा मंडल मानिकपुर ने संगठन विस्तार पर किया मंथन



शहपुरा। सेवा-संकल्प अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी मंडल मानिकपुर की मंडल कार्यसमिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की बुथ स्तर तक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की गई। बैठक का शुभारंभ राष्ट्रगीत के साथ हुआ। बैठक प्रमारी एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष तथा मंडल प्रमारी पंडित ज्ञानदीप त्रिपाठी के मार्गदर्शन में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन की आगामी गतिविधियों को लेकर रणनीति पर विचार-विमर्श किया। कार्यकर्ताओं से पार्टी की विचारधारा और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने तथा संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया गया। मंडल अध्यक्ष हरिरेद सिंह मरावी ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन की मजबूती प्रदान करने और पार्टी के आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। बैठक के दौरान सेवा, समर्पण और संगठन विस्तार को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह नजर आया। बैठक में, ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष सतगोविंद सिंहकर्मा, मंडल उपाध्यक्ष रामकुमार परसे, फूलचंद झारिया, मंडल मंत्री समरूप सिंह, पवन टेमरे, डॉ. अर्जुन झारिया, मीडिया प्रमारी धर्मेद झारिया, कार्यालय मंत्री विश्वनाथ झारिया, वरिष्ठ नेतृ हरीश साहू, उत्तम चंद असादी, मनोहर बागवान, मंगल सिंह उडके, ओम प्रकाश यादव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के समापन पर कार्यकर्ताओं ने सेवा, समर्पण और संगठन विस्तार के संकल्प के साथ पार्टी को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प दोहराया।

लोकल यूथ सर्वेयर की मौत के बाद महासंघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन



डिंडोरी। डिजिटल क्रांप सर्वे के दौरान उज्जैन जिले में लोकल यूथ सर्वेयर मुकेश अमलादिया की अज्ञात कारणों से हुई मृत्यु के बाद प्रदेशभर में सर्वे कार्य से जुड़े युवाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठने लगा है। लोकल यूथ महासंघ मध्यप्रदेश ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपकर दिवंगत सर्वेयर के परिवार को आर्थिक सहायता देने के साथ प्रदेश के सभी लोकल यूथ सर्वेयरों के लिए सुरक्षा और दुर्घटना बीमा की व्यवस्था लागू करने की मांग की है। ज्ञापन 9 सितंबर को सौंपा गया। महासंघ ने ज्ञापन में कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में लोकल यूथ सर्वेयर खेत-खेत जाकर डिजिटल क्रांप सर्वे का कार्य कर रहे हैं। सर्वेयरों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में फसलों से संबंधित जानकारी जुटाकर उसे डिजिटल माध्यम से दर्ज किया जाता है। मैदानी स्तर पर होने वाले इस कार्य के दौरान उन्हें विभिन्न परिस्थितियों और संभावित जोखिमों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सर्वेयरों की सुरक्षा के लिए शासन स्तर पर ठोस व्यवस्था जरूरी है। ज्ञापन के अनुसार उज्जैन जिले की झाड़ा तहसील के ग्राम पिपिलिया धूमा में डिजिटल क्रांप सर्वे के दौरान लोकल यूथ सर्वेयर मुकेश अमलादिया पिता धुला जी की अज्ञात कारणों से मृत्यु हो गई। महासंघ ने घटना

को आवश्यक जांच कराने और शासन द्वारा निर्धारित किसी सुरक्षा पॉलिसी या दुर्घटना बीमा का प्रावधान लागू होने की स्थिति में उसका लाभ दिवंगत सर्वेयर के परिवार को दिलाने की मांग की है। महासंघ ने परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए शासन स्तर से विशेष आर्थिक सहायता और पात्र शासकीय लाभ उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया है। साथ ही प्रदेश के सभी लोकल यूथ सर्वेयरों के लिए सामूहिक दुर्घटना बीमा अथवा सुरक्षा पॉलिसी लागू करने की मांग की गई है, ताकि किसी अभियंता घटना की स्थिति में सर्वेयर और उनके परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

सुरक्षा किट और जोखिम वाले क्षेत्रों में विशेष व्यवस्था की मांग

ज्ञापन में प्रत्येक सर्वेयर को आवश्यक सुरक्षा किट एवं अन्य सुरक्षा संसाधन उपलब्ध कराने, सर्वे कार्य के दौरान सुरक्षा को लेकर स्पष्ट प्रोटोकॉल और दिशा-निर्देश जारी करने तथा उनका पालन सुनिश्चित कराने की मांग की गई है। महासंघ ने कहा कि खेत-खलिहानों और अन्य संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों में सर्वे करने वाले युवाओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्था की जानी चाहिए। महासंघ ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य डिजिटल क्रांप सर्वे के कार्य में किसी तरह की बाधा उत्पन्न करना नहीं, बल्कि सर्वेयरों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराते हुए इस महत्वपूर्ण कार्य को सुरक्षारूप से जारी रखना है। ज्ञापन पर लोकल यूथ महासंघ शहपुरा, जिला डिंडोरी के जिला अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सर्वेयरों के हस्ताक्षर हैं।



बिजली, नेटवर्क और सड़क निर्माण में देरी से भड़का आक्रोश, बजाग में चक्काजाम

ने बिजली व्यवस्था में स्थायी सुधार की मांग की। प्रदर्शन के दौरान मोबाइल नेटवर्क की समस्या भी प्रमुखता से उठाई गई। ग्रामीणों का कहना है कि कमजोर नेटवर्क के कारण फोन और इंटरनेट आधारित जरूरी सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। ऑनलाइन सेवाओं, बैंकिंग, विद्यार्थियों की पढ़ाई और शासकीय योजनाओं से जुड़े कार्यों के लिए लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। सड़क निर्माण कार्य की धीमी गति को लेकर भी ग्रामीणों में नाराजगी रही। उनका कहना है कि निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं होने से इस मार्ग से रोजाना आवागमन करने वाले ग्रामीणों और वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने निर्माण



कार्य में तेजी लाने और इसे निर्धारित समय में पूरा कराने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि बिजली, नेटवर्क और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर पूर्व में भी संबंधित विभागों को अवगत कराया गया, लेकिन अपेक्षित समाधान नहीं होने के कारण उन्हें चक्काजाम के लिए मजबूर होना पड़ा। चक्काजाम की सूचना मिलने पर प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा की। अधिकारियों द्वारा समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया। इसके बाद हाईवे पर यातायात व्यवस्था सामान्य हुई।

स्वास्थ्य, पोषण एवं बाल संरक्षण योजनाओं की समीक्षा



डिंडोरी। जिला स्वास्थ्य एवं पोषण समिति, जिला बाल संरक्षण समिति तथा जिला स्तरीय समन्वय समिति (वन स्टॉप सेंटर) की संयुक्त बैठक कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पाण्डेय, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री श्याम सिंगोर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में वन स्टॉप सेंटर में कुल 218 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें अधिकांश मामले 181 महिला हेल्पलाइन के माध्यम से सामने आए। कलेक्टर ने सेवा से संकल्प अभियान, जन सेवा शिविर एवं महिला जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान वन स्टॉप सेंटर

कलेक्टर ने पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने के लिए निर्देश

की सेवाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने परामर्श के माध्यम से सुलझाए गए प्रकरणों की सफलता की कहानियों को भी सामने लाने पर जोर दिया, ताकि जरूरतमंद महिलाओं को उपलब्ध सेवाओं की जानकारी मिल सके। जिला बाल संरक्षण समिति की समीक्षा के दौरान बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड में प्राप्त प्रकरणों की जानकारी ली गई। बैठक में पीएम केयर्स एवं कोविड-19 से प्रभावित बच्चों से संबंधित सफलता की कहानियों के प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करते हुए बच्चों

को शासन की योजनाओं और आवश्यक सेवाओं का लाभ सुनिश्चित कराने को कहा। जिला स्वास्थ्य एवं पोषण समिति की बैठक में आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों एवं महिलाओं की स्वास्थ्य एवं पोषण स्थिति, 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के नवीन बच्चों का पंजीयन, मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी), प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) तथा पोषण ट्रेकर सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने अधिकारियों को सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाने तथा विभागीय गतिविधियों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में आपसी समन्वय और मैदानी स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया।



डोल ग्यारस की तैयारियों को लेकर अहीर महासभा की बैठक संपन्न

डिंडोरी। डोल ग्यारस पर्व की तैयारियों को लेकर समस्त अहीर महासभा विकासखंड समनापुर के सुंदरपुर गांव में सामाजिक बंधुओं की बैठक रतन यादव के निवास पर आयोजित की गई। बैठक में सामाजिक विषयों के साथ डोल ग्यारस पर्व को लेकर कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण के चलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं तिलक-वंदन कर किया गया। इस दौरान जिला स्तर से उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारियों का फूलमाला पहनाकर एवं तिलक-वंदन कर स्वागत किया गया। बैठक में डोल ग्यारस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ

ही विकासखंड स्तर एवं जिला स्तर पर रैली आयोजित किए जाने की लेकर भी चर्चा की गई। इसके पश्चात सामाजिक एकता एवं संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। सभी उपस्थित सामाजिक बंधुओं ने आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रमों की सफल बनाने को लेकर अपने विचार रखे। अंत में सामाजिक चर्चा के साथ बैठक का समापन किया गया। बैठक में अहीर महासभा जिला डिंडोरी के जिला अध्यक्ष गौहंत यादव, जिला सचिव राजाराम यादव, विकासखंड समनापुर ब्लॉक अध्यक्ष भारत यादव, ब्लॉक सचिव वेद प्रकाश यादव सहित दशरथ यादव, जवाहर यादव, चंदूलाल यादव, तुला यादव, विजय यादव, रतन यादव सहित बड़ी संख्या में स्वजाति बंधु उपस्थित रहे।

श्रम प्रहरी बनकर अपंजीकृत प्रतिष्ठानों की सूचना दें नागरिक
डिंडोरी। श्रमिकों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए श्रम विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा 'श्रम प्रहरी' पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत जागरूक नागरिक अपने आसपास संचालित अपंजीकृत कारखानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं निर्माण कार्यों की जानकारी श्रम विभाग को दे सकेंगे। इसका उद्देश्य श्रम कानूनों के पालन को सुनिश्चित करने के साथ श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करना है। विभाग के अनुसार, किसी अपंजीकृत कारखाने या व्यावसायिक प्रतिष्ठान के संचालन की जानकारी मिलने पर नागरिक श्रम विभाग, मध्यप्रदेश के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से इसकी सूचना दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा टोल-फ्री श्रमिक हेल्पलाइन 1800-233-8888 पर कॉल कर भी जानकारी दी जा सकती है। श्रम विभाग ने स्पष्ट किया है कि 'श्रम प्रहरी' कोई सरकारी पद नहीं है, बल्कि श्रमिकों की सुरक्षा और श्रम कानूनों के पालन में सहयोग करने की सामाजिक जिम्मेदारी है। विभाग ने आमजन से इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाने और श्रमिकों के हितों एवं अधिकारों की रक्षा में सहयोग करने की अपील की है।

गुलतवाह में आज होगा जनसंवाद, ग्रामीणों की समस्याओं का होगा निराकरण

डिंडोरी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत आज 11 सितंबर को जनपद पंचायत शहपुरा की ग्राम पंचायत गुलतवाह में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं एवं शिकायतें सुनी जाएंगी तथा संबंधित विभागों के माध्यम से उनके निराकरण की कार्रवाई की जाएगी। जनसंवाद के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित शासकीय योजनाओं और विकास कार्यों की जमीनी स्थिति की जानकारी ली जाएगी। साथ ही हितग्राहियों से योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर फीडबैक प्राप्त किया जाएगा। मौके पर सामने आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा



नम आंखों से दी गई अजय कुमार गुप्ता को मावभीनी विदाई



अमरपुर। उद्योगिनी संस्था अमरपुर में वैल्यू चेन एक्सपर्ट के रूप में पदस्थ श्री अजय कुमार गुप्ता के विदाई समारोह का आयोजन भावपूर्ण माहौल में किया गया। इस अवसर पर रसा शक्ति महिला बहुउद्देशीय समिति (सीएलएफ) अमरपुर, उद्योगिनी संस्था के पदाधिकारियों, महिला सदस्यों एवं स्टाफ ने उन्हें भावमयी विदाई दी। समारोह में उपस्थित सदस्यों ने श्री गुप्ता के साथ कार्यकाल के दौरान बिताए समय और उनके सहयोग एवं मार्गदर्शन को याद किया। वक्ताओं ने संस्था एवं महिला समूहों के साथ उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सकारात्मक योग के साथ सदस्यों की निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने श्री गुप्ता के उज्ज्वल भविष्य, सुखद जीवन एवं आगामी कार्यक्रम में सफलता की शुभकामनाएं दीं। विदाई के दौरान माहौल भावुक हो गया और सभी ने नम आंखों से उन्हें विदाई दी। कार्यक्रम में सीएलएफ अमरपुर की महिला सदस्य, उद्योगिनी संस्था की टीम एवं स्टाफ सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को तनाव से निपटने और संवाद के लिए किया प्रेरित



डिंडोरी। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर 10 सितंबर को आनंद विभाग द्वारा चंद्र विजय महाविद्यालय, डिण्डोरी में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विद्यार्थियों को मानसिक तनाव, अवसाद एवं जीवन की विभिन्न चुनौतियों का सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सामना करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों को कठिन परिस्थितियों में संवाद बनाए रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर परिवार, मित्र एवं अन्य विश्वसनीय व्यक्तियों से सहायता लेने के महत्व की

जागरूकी दी गई। कार्यशाला में जिला सांख्यिकी अधिकारी श्री चैन सिंह कुंजाम, आनंद विभाग की मास्टर ट्रेनर श्रीमती मंजूषा शर्मा, श्री अभिषेक बैसल, अन्वेषक सहित महाविद्यालय के प्रोफेसर एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहते हुए सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण अपनाने और जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर सहयोग एवं भावनात्मक समर्थन प्रदान करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

जबलपुर, शुक्रवार 11 सितंबर 2026

login : www.haribhoomi.com

जरूरतमंदों को मिले बीपीएल का लाभ: कलेक्टर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने के लिए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की बैठक में खाद्यान्न वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बीपीएल कार्ड का लाभ वास्तविक जरूरतमंद और पात्र परिवारों को ही मिले तथा अपात्र लोगों के नाम सूची से हटाने की कार्यवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र हितवाही निर्धारित खाद्यान्न के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए और राशन का वितरण समय पर होना चाहिए। समीक्षा के दौरान जुलाई, अगस्त एवं सितम्बर माह में राशन वितरण की स्थिति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि राशन वितरण से जुड़े आंकड़ों की केवल ऑनलाइन मॉनिटरिंग पर्याप्त नहीं है। वास्तविक स्थिति जानने के लिए अधिकारियों को मैदानी स्तर पर भी सत्यापन करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां राशन वितरण कम हुआ है, वहां इसके कारणों की पड़ताल की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि पात्र हितवाहियों को किसी भी वजह से राशन लेने में परेशानी तो नहीं हो रही है।

कम वितरण वाली दुकानों की बनेगी अलग सूची

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सभी कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकानों की ऐसी सूची तैयार करें, जहां पिछले तीन माह में राशन वितरण कम रहा है। इन दुकानों का प्राथमिकता के आधार पर निरीक्षण किया जाए। इसके साथ ही यह भी सत्यापित किया जाए कि संबंधित उचित मूल्य दुकान से पिछले तीन माह में कितने पात्र हितवाहियों ने राशन प्राप्त किया और कितने पात्र हितवाही राशन लेने नहीं पहुंचे। इससे राशन वितरण की वास्तविक स्थिति सामने आएगी और जरूरत के अनुसार आगे की कार्यवाई की जा सकेगी।

ऑनलाइन रिकॉर्ड के साथ रजिस्टर में भी हो संधारण

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने राशन वितरण की जानकारी के संधारण को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन रिकॉर्ड के साथ-साथ राशन वितरण की जानकारी ऑफलाइन रजिस्टर में भी व्यवस्थित रूप से दर्ज रखी जाए। रिकॉर्ड ऐसा हो, जिससे जरूरत पड़ने पर



वितरण की स्थिति का आसानी से सत्यापन किया जा सके। उन्होंने उन उचित मूल्य दुकानों की अलग सूची तैयार करने के भी निर्देश दिए, जिनका पिछले एक वर्ष में निरीक्षण नहीं हुआ है। ऐसी दुकानों का निरीक्षण कर वहां की वास्तविक स्थिति, रिकॉर्ड और खाद्यान्न वितरण व्यवस्था की जांच की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जिला आपूर्ति अधिकारी को खाद्यान्न वितरण से जुड़े तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि उचित मूल्य दुकानों से निर्धारित खाद्यान्न शासकीय छात्रावासों तक पहुंच रहा है या नहीं। उन्होंने टेक होम राशन (टीएचआर) के वितरण की भी प्रभावी निगरानी करने को कहा और निर्देश दिए कि निर्धारित हितवाहियों तक टेक होम राशन समय पर पहुंचना सुनिश्चित किया जाए।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर भी कलेक्टर सख्त

बैठक में सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण की भी समीक्षा की गई। इस दौरान मार्केटिंग विभाग से संबंधित शिकायतों की संख्या अधिक एप जाने पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने संबंधित अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर समय-समय में संतुष्टि पूर्वक निराकरण किया जाए। केवल शिकायत का निराकरण दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बैठक में नाप-तोल विभाग से संबंधित निरीक्षण एवं कार्यवाई की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जिले में संचालित पेट्रोल पंपों का नियमित निरीक्षण करने और अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार करवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी, डीएम नान, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, डीआरसीएस, नाप तोल विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

सर्पदंश से युवक की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। स्टेशनगंज थाना अंतर्गत सिंहपुर चौकी क्षेत्र के गाम हिनोतिया में घर पर काम करने के दौरान 18 वर्षीय प्रदीप मेहरा, पिता गंगाराम मेहरा को जहरीले सांप ने डस लिया। सर्पदंश के बाद युवक की हालत खिगड़ने लगी। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार जारी है।

रीछ के हमले में ग्रामीण गंभीर घायल

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। सुआतला थाना क्षेत्र के मृगनयनाथ सरसला में रीछ के हमले में एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्राम आंबडिया मोरझिर निवासी 32 वर्षीय जगदीश धानक, पिता नान्हेंवीर धानक पर रीछ ने अचानक हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

मारपीट में किशोर घायल

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के इतवारा बाजार में 15 वर्षीय किशोर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इतवारा बाजार निवासी राज कहार, पिता राजू कहार के साथ अज्ञात कारणों से कुछ लोगों ने मारपीट कर दी, जिसमें वह घायल हो गया। घटना के बाद परिजन उसे उपचार के लिए ले गए। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है।

14 सितंबर को रखा जाएगा हरितालिका तीज व्रत, देशभर में होगी गणेश उत्सव की शुरुआत, पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य के लिए महिलाएं रखेंगी निर्जल व्रत, कुंवारी कन्याएं करेंगी मनोवांछित वर की कामना

गोटेगांव। पति की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं अखंड सौभाग्य की कामना के लिए इस वर्ष हरितालिका तीज व्रत 14 सितंबर, सोमवार को रखा जाएगा। इसी दौरान देशभर में विघ्नहर्ता भगवान गणेश की स्थापना के साथ गणेश उत्सव का भी शुभारंभ होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि में रखा जाने वाला हरितालिका तीज व्रत महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है।काशी के हपीकेश पंचांग के अनुसार तृतीया तिथि 13 सितंबर को सुबह 7:15 बजे से प्रारंभ होकर 14 सितंबर को सुबह 7:19 बजे तक रहेगी। शास्त्रों में



सितंबर की सुबह किया जाएगा।मान्यता है कि हरितालिका तीज का संबंध माता पार्वती की कठोर तपस्या से है। पौराणिक कथा के

अनुसार माता पार्वती के पिता ने उनका विवाह भगवान विष्णु से तय कर दिया था। इसके बाद उनकी सखियां उन्हें अपने साथ घने वन में ले गईं, जहां माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की। इसी पौराणिक प्रसंग से हरितालिका तीज की परंपरा जुड़ी मानी जाती है।ब्रत के दिन महिलाएं प्रातः स्नान आदि से निवृत्त होकर दिनभर निर्जल उपवास रखेंगी। शाम को मिट्टी से निर्मित उमामहेश्वर एवं भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर षोडशोपचार पूजन किया जाएगा। इसके बाद रात्रि जागरण, भजन-कीर्तन और भगवान शिव की आरती की

जाएगी। सौभाग्यवती महिलाएं पति को दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और अखंड सौभाग्य की कामना से यह कठिन व्रत रखती हैं, जबकि कुंवारी कन्याएं मनोवांछित वर एवं सुखद दंपत्य जीवन की कामना से व्रत करती हैं।हरितालिका तीज श्रद्धा और संस्करण का पर्वपरमहंसी गंगा आश्रम, झोतेश्वर के आचार्य पंडित सोहन शास्त्री ने बताया कि हरितालिका तीज भगवान शिव और माता पार्वती के पावन मिलन तथा माता पार्वती की कठोर तपस्या का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्रद्धापूर्वक व्रत एवं पूजन करने से दंपत्य जीवन में सुख, शांति और सौभाग्य की कामना की जाती है।

फिर खून से सना एन एच, काल कल्वित हुए 8 गौवंश , मवेशियों से भरे ट्रक ने मवेशियों को रौंदा

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग प्रतिदिन मवेशियों के रक्त से लाल हो रही है। और आये दिन मवेशी असमय काल के गाल में समा रहें हैं। अभी पूरा एक भी नहीं हुआ है कि 12अगस्त को ही जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग पर दिलवार के समीप अज्ञात बाहन ने 10 गौ वंश को रौंदकर मौत के घाट उतार दिया था। और पांच मवेशी बुरी तरह से जखमी हो गए थे।इसी तरह दूसरे ही दिन रात्रि में फिर से सात नंबर पुलिसा के समीप 08 मवेशियों को अज्ञात बाहन ने बुरी तरह से रौंद डाला था कि गुरवार की सुबह-सुबह फिर एक ट्रक क्रमांक एच आर 45 डी 8647 जो हरियाणा के हिसार से चलकर मुर्ना गाँवों को लेकर तेंदूखेड़ा क्षेत्र में ही पहुँच रहा था कि शासकीय अस्पताल के सामने तरफ एक गड्ढे को बचाने के चक्कर में सड़क पर बैठी गाँवों के ऊपर ट्रक चढ़ा दिया जिसमें 08 मवेशियों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई और 02 मवेशी बुरी तरह से जखमी हो गए हैं।घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंचे लोगों द्वारा काल्कल्वित मवेशियों को व्यवस्थित कराते हुए बुरी तरह से घायल मवेशियों का उपचार कराया गया।

लगातार हो रही घटनाएं

चूँकि निराश्रित मवेशियों का इस तरह से काल कल्वित होना कोई नई बात नहीं है।आये दिन इस तरह की घटनाएं दुर्घटनायें घटित हो रही है। प्रतिदिन सड़क किनारे एक दो मवेशी अज्ञात वाहनों से दुर्घटना ग्रस्त होकर काल के चाल में समा जाते हैं।इस विषय को लेकर जवाबदार पक्ष हमेशा अपनी अपनी जिम्मेदारियों से बचते नजर



आते हैं। सड़क सुरक्षा और एन एच पर निर्विघ्न यात्रा को लेकर 1033 बाहन सेवा हमेशा नदारत पाई जाती है।एक जानकारी के अनुसार सड़क पर मवेशियों को भगाने के लिए कुछ लड़के लगाये गये हैं फिर इतना सब होने के बाबजूद भी मुख्य सड़क मार्ग पर इतनी बड़ी संख्या में मवेशियों को बैटना और एन एच आई की हांका गैंग नदारत रहना। अबाध गति से चलने वाले बाहन इन मवेशियों से टकराकर स्वयं दुर्घटना ग्रस्त हो जाते हैं। और मवेशियों को भी रौंद कर निकलना सोचनीय विषय बना हुआ है।

बरसात के दिनों में मुख्य सड़क मार्गों पर मिलते हैं झुंड

अक्सर कर देखने में आ रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों के पशु पालक बरसात के दिनों में बांधने छोड़ने और भूसा खिलाने की समस्या के चलते इन मवेशियों को खुला छोड़ देते हैं।दिन में उक्त मवेशी खेतों या खुले स्थानों से चारा खाकर

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल



पोला अमावस्या पर जमकर हुई लकड़ी के घोड़ों की बिक्री

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गुरूवार को सम्पूर्ण जिले मे पोला अमावस्या मनाई गई सुबह से भक्तो भीड़ मां नर्मदा के सभी घाटी मे देखने को मिली वही नगर में जगह जगह लकड़ी के घोड़ों की बिक्री जमकर हुई मान्यतानुसार पोला अमावस्या पर लकड़ी के घोड़ों का पूजन किया जाता है। लकड़ी के घोड़ों की विधि अनुरूप तैयार किया जाता है। उसके बाद पूजन अर्चन कर मोहरले में बच्चों द्वारा घुमाया जाता है। विविध प्रकार के पकवानों को बनकर घोड़े पर लाद कर बच्चे खेलते है। आज के दिन सुबह से ही बैलों को नहलाया धुलाया जाता है और उनका पूजन भी किया जाता है। बाजार में भी लकड़ी एवं अन्य धातुओं के घोड़ों की बिक्री का दौर रहा। नगर की हर गली चैराहों पर लकड़ी घोड़े विक्रय होते देखे गए।

10.5 गाम स्रैक सहित आरोपी गिरफ्तार



हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना कोतवाली पुलिस टीम अपराध पतासाजी एवं संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी हेतु क्षेत्र में रवाना थी। इसी दौरान बीटीआई स्कूल से सिंगरी नदी की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर एक व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर भागने लगा। संदेह होने पर उक्त व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम गड्डू उर्फ नर्मदा प्रसाद पिता छोटेलाल प्रजापति उम्र 34 वर्ष, निवासी कसाई मंडी, काली मंदिर के पास, नरसिंहपुर बताया। पुलिस द्वारा विधिवत तलाशी लेने पर आरोपी के पिस्ता रंग के पेट की दाहिनी सांमने वाली जेब में रखी पन्नी से लगभग 10.5 गाम अवैध मादक पदार्थ स्रैक जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1.1 लाख रुपये है बरामद हुई। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध धारा 8/2(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

श्मशान और खेतों का रास्ता अवरुद्ध करने पर सख्ती, सात दिन में हटाना होगा अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। श्मशान और कृषि भूमि तक जाने वाले दशकों पुराने आम रास्ते को अवरुद्ध करने के मामले में तहसीलदार न्यायालय ने अनावेदकों को सात दिन में तार की बाड़ सहित सभी अवरोध हटाकर आवागमन बहाल करने के निर्देश दिए हैं। आदेश का पालन नहीं होने पर राजस्व अमला पुलिस बल के सहयोग से अवरोध हटाने की कार्यवाई करेगा। प्रकरण में प्रहलाद यादव सहित अना आवेदकों और अहिरवार समाज संघ ने शिकायत की थी कि शासकीय घास एवं कब्रिस्तान मद की भूमि से गुजरने वाले करीब 50 से 60 वर्ष पुराने प्रचलित रास्ते को हल चलाकर और तार की बाड़ लगाकर बंद कर दिया गया है। इसी रास्ते से किसान अपनी कृषि भूमि और श्मशान तक आते-जाते रहे हैं तथा कोई वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं है। राजस्व निरीक्षक की मौका जांच रिपोर्ट और दोनों पक्षों के साक्ष्यों के परीक्षण के बाद तहसीलदार ने मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 131 के तहत आदेश पारित किया। न्यायालय ने रास्ते का विधिवत सीमांकन कराने तथा भविष्य में आवागमन में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न नहीं करने के निर्देश भी दिए हैं।

18 लीटर शराब, 600 किलो महुआ लाहन जब्त

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार आबकारी विभाग नरसिंहपुर द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध बड़ी कार्यवाई की गई। प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी बी.एल. उड्डे के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग के वृत्त करेली अंतर्गत अवैध शराब के अड्डों पर दबिश दी गई। कार्यवाई के दौरान 18



लीटर हाथ भट्टी अवैध मदिरा, लगभग 600 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 55.08 बल्क लीटर देशी मदिरा बरामद की गई। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 4 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। कार्यवाई के दौरान पकड़े गए एक आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। कार्यवाई के दौरान वृत्त करेली अंतर्गत संचालित दो मदिरा दुकानों का सघन निरीक्षण भी किया गया तथा मदिरा की गुणवत्ता जांच के लिए सैमपलिंग की कार्यवाई की गई। इस कार्यवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी सतीश कुमार, आबकारी मुख्य आरक्षक सदर सिंह बरकड़े एवं अनिल सिंह राठौर, आबकारी आरक्षक लालजी चैधरी, तन्मय टेकाम, महिला आरक्षक आकृति जैन एवं गरिमा उपाध्याय तथा नगर सैनिक योगेश राजोरिया मौजूद थे।



जनसुनवाई में सुनी लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। पूर्व राज्यमंत्री एवं पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास पर जनसुनवाई कर जिलेसर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। प्राप्त कुल 297 आवेदनों पर पूर्व राज्यमंत्री ने गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों से जानकारी लेकर समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए जनसुनवाई में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के नागरिक अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचे। लोगों ने सड़क राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन सहित अन्य विभागों से जुड़ी समस्याएं पूर्व राज्यमंत्री के समक्ष रखीं। जालम सिंह पटेल ने प्रत्येक आवेदक की बात को गंभीरता से सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक कार्यवाई के निर्देश दिए इस अवसर पर जालम सिंह पटेल ने कहा कि जनता की सेवा करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का कर्तव्य और जिम्मेदारी है। पूर्व राज्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के निराकरण में अनावश्यक देरी न हो और पात्र हितवाहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समग्र पर मिले विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जनसुनवाई में कुल 297 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर तत्काल सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के माध्यम से समस्याओं के निराकरण की कार्यवाई की गई। इस दौरान अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

सांदीपनि विद्यालय का परचम बरकरार, ऑल इंडिया TSC में लगातार दूसरे वर्ष चयन, 15 वर्षीय कैडेट प्राची मेहरा राष्ट्रीय स्तर पर चयनित

गोटेगांव। नगर के प्रतिष्ठित सांदीपनि विद्यालय गोटेगांव ने शिक्षा के साथ-साथ एजसीसी के क्षेत्र में भी अपनी उपलब्धियों का सिलसिला जारी रखा है। विद्यालय में संचालित एजसीसी इन्कड का लगातार दूसरे वर्ष ओल इंडिया थल सैनिक कैम्प (TSC) के लिए चयन हुआ है।विद्यालय की 15 वर्षीय एजसीसी कैडेट प्राची मेहरा ने गुप्त हेडक्वार्टर एवं डायरेक्टरेट स्तर पर ग्लोबल प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रतियोगिता में स्थान बनाया है। वर्तमान में प्राची मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ विदेशीय का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।प्राची तहसील मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर ग्राम गुरुबई निवासी सोमनाथ मेहरा की पुत्री हैं। उन्होंने दो माह तक घर से दूर रहकर कठिन प्रशिक्षण एवं अग्रयास किया। मई-जून की भीषण गर्मी के दौरान जबलपुर स्थित फायरिंग रेंज में 1 एस्पी बटालियन के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त किया।एजसीसी गुप्त हेडक्वार्टर जबलपुर से चयनित होने के बाद प्राची ने क्वलिफर में आयोजित थल एजसीसी कैम्प में प्रशिक्षण लिया और डायरेक्टरेट स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक हासिल किए।उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी विद्यालय की कैडेट साक्षी लोधी ने शूटिंग प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर सकलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया था।प्राची की सकलता में 1 एस्पी बटालियन के कप्तान अधिकारी कर्नल नितिन शर्मा, एडम ऑफिसर कर्नल रमेश बोडस, सुबेडार खरका बहादुर थापा के मार्गदर्शन तथा एजसीसी अधिकारी मनोज कुमार जैन की प्रेरणा महत्वपूर्ण रही।प्राची की उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य एस के सिसोदिया सहित सम्स्त विद्यालय परिवार ने हार्द व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



56 भोग लगाकर धूमधाम से मनाई कृष्ण छठीपिपलेश्वर मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

गोटेगांव। नगर के प्रसिद्ध पिपलेश्वर मंदिर में गुरुवार को भगवान श्रीकृष्ण की छठी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। साहू समाज उद्यान मंडल गोटेगांव एवं समस्त साहू समाज के श्रद्धालुओं ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ भगवान श्रीकृष्ण का पूजन-अर्चन कर छप्पन भोग अर्पित किया।मुख्य यजमान बड़ी प्रसाद साहू एवं श्रीमती अनुसुइया साहू ने सांपत्तिक विधि-विधान से भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की और 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया।सुबह से ही मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। दोपहर में साहू समाज की सैकड़ों महिलाओं ने अपने-अपने घरों से लहू, बर्फी, खीर, पुड़ी, हलवा, फल, मिठाइयां एवं नमकीन सहित विभिन्न प्रकार के व्यंजन लाकर छप्पन भोग की थाल सजाई और बाल गोपाल को प्रेमपूर्वक अर्पित किया। छप्पन भोग के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे।भोग के बाद महिलाओं ने दोलक-मंजीरे की थाप पर यशोदा का लाल और श्री कृष्ण गोविंद हरे गुरुरी जैसे भजनों पर नृत्य किया। मंदिर परिसर हाथी घोड़ा पालकों, जय कव्हेया लाल की के जयकारों से गुंज उठा। अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।कार्यक्रम में साहू समाज उद्यान मंडल के अध्यक्ष भगवान दास साहू, ग्रामीण अध्यक्ष त्रिमूकन साहू, वरिष्ठ समाजसेवी मोला साहू, शिव शंकर साहू, ओम प्रकाश साहू, आशीष साहू, पत्रकार सुनील साहू, संजय साहू, गोलू साहू, विधायरी साहू सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।महिला मंडल अध्यक्ष स्वप्नवी साहू के नेतृत्व में अनुसुइया साहू, साधना साहू, पूजा साहू, ममता साहू, संख्या साहू, आशा साहू, मनीषा साहू, रीना साहू, नीतू साहू, माया साहू, जानकी साहू सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता की।



की और सभी पात्र व्यक्तियों को शासन की योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ सुनिश्चित हो इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजना में प्रधानमंत्री आवास योजना मान्यधन योजना डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना लाइली लक्ष्मी योजना मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना मुख्यमंत्री जन कल्याण (खंड 2.0) योजना मध्य प्रदेश दुग्ध पशु प्रदाय योजना मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री राशन आपके द्वार योजना मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनासहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की।बैठक में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में मिले आवेदनों की भी समीक्षा कर आवेदन के शत प्रतिशत निराकरण करने के निर्देश दिये।

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस जनपद पंचायत चांवरपाठा के सभा कक्ष में सामान्य सभा की बैठक में सम्मिलित होकर विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने सभी योजनाओं की समीक्षा

समीक्षा बैठक के दौरान विधायक ने दिशा निर्देश